मंगलवार
27 सितम्बर 2022

पृष्ठ 4
भारत में पिछले एक दशक में सामान्य प्रजनन दर में 20 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट!

पृष्ठ 5
दुल्हे राजा फिल्म की रीमेक बना सकते हैं शाहरुख खान

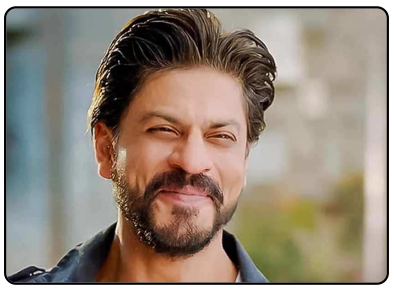

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 229
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नाव जल में रहे लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए। – रामकृष्ण परमहंस

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राज्य कैबिनेट में बड़े बदलाव की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

भर्ती घोटालों पर बड़े एक्शन की तैयारी

❑अंकिता मर्डर केस व भर्ती घोटाले ने पार्टी की छवि बिगाड़ी

❑सीएम अचानक पहुंचे दिल्ली, बड़े नेताओं से करेंगे वार्ता

विशेष संवाददाता

देहरादून। भर्ती घोटालों पर कार्रवाई और अंकिता भंडारी मर्डर केस को लेकर उठ रहे कानून व्यवस्था के सवालों के बीच आज अचानक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का दिल्ली दौरे पर जाना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। माना जा रहा है कि विधानसभा भर्तियों में हुई बड़ी गड़बड़ी को लेकर भाजपा हाईकमान द्वारा कोई बड़ा एक्शन लिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आज सचिवालय में कुछ कामकाज निपटाना था और कल रामनगर में आयोजित होने वाली सरकार व पार्टी के चिंतन शिविर में भाग लेना था लेकिन अब इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है और मुख्यमंत्री धामी दिल्ली रवाना हो गए हैं। समझा जा रहा है कि वह पेपर लीक मामले और विधानसभा भर्ती घोटाले तथा अंकिता मर्डर केस को लेकर पार्टी हाईकमान और बड़े नेताओं को फीडबैक देने वाले हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी द्वारा जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर 2016 के बाद हुई सभी 228 भर्तियों व 22 आउट सोर्स भर्तियों को रद्द किया जा चुका है इस रिपोर्ट पर पूर्व स्पीकर प्रेमचंद्र अग्रवाल द्वारा की गई 72 भर्तियों को भी नियम विरुद्ध किए जाने की बात कही जाने के बाद वित्त मंत्री व पूर्व स्पीकर प्रेमचंद्र पर भी कार्यवाही की तलवार लटकी हुई है। क्योंकि विपक्ष जहां उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहा है वही आम आदमी की सोच तो यहां तक है कि उन्हें नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा दे देना चाहिए था लेकिन वह अभी भी कुर्सी से चिपके हुए हैं।

उधर अंकिता भंडारी मर्डर केस में भी भाजपा नेता विनोद आर्य और उनके बेटे की संलिप्तता से पार्टी की छवि को भारी नुकसान हुआ है भले ही अब उन्हें और उनके बड़े बेटे को ओबीसी आयोग के उपाध्यक्ष पद से हटाया जा चुका हो लेकिन भाजपा के दामन पर जो दाग लगा है उसे धोया नहीं जा सकता है।

चर्चा है कि विधानसभा भर्ती घोटाले व अंकिता मर्डर केस के कारण भाजपा की जो छवि पर दाग लगे हैं उसे धोने के लिए पार्टी कोई बड़ा संदेश देना चाहती है। राज्य कैबिनेट में बड़े फेरबदल को इसका जरिया बनाया जा सकता है। कैबिनेट में अभी 3 पद खाली हैं वहीं वर्तमान कैबिनेट से कुछ बड़े नेताओं की छुट्टी कर नए कैबिनेट का गठन नवरात्रि के दौरान किया जा सकता है। भाजपा अकेले प्रेमचंद्र अग्रवाल को न हटा कर कुछ ऐसा करने की तैयारी में है कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

अंकिता मर्डर केस की आग से सुलग उठा पूरा पहाड़

विशेष संवाददाता

❑नहीं थम रहे प्रदर्शन, लोगों को संदेह कहीं बच न जाए आरोपी

देहरादून। भले ही अंकिता भंडारी के पार्थिव शरीर को रविवार की शाम में चिता की आग राख बना चुकी हो लेकिन इस आग से अभी पूरा पहाड़ सुलग रहा है। जगह-जगह इस बड़े जुल्म व जुर्म के खिलाफ धरने-प्रदर्शन व चक्का जाम और बाजार बंदी का क्रम अभी तक जारी है। दरअसल पहाड़ के लोगों को अपनी बेटी को खोने का गम और गुस्सा तो एक वजह है ही इसके साथ ही उन्हें इस बात की आशंका भी है की सत्ताधारी दल के नेताओं से जुड़े इस मामले को कहीं रफा-दफा न कर दिया जाए और आरोपी बिना सजा पाए ही बरी न हो जाए।

इस घटना को लेकर आज भी जनपद चमोली के जोशीमठ में स्थानीय लोगों और व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। व्यापारियों ने आज यहां बाजार बंद रखा और स्थानीय नेताओं और नागरिकों ने बदरीनाथ हाइवे पर घंटों तक जाम लगा कर रखा, जिससे बद्रीनाथ जाने आने वाले यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि बीते कल गोपेश्वर में स्थानीय व्यापारियों ने बाजार बंद रखा था तथा हाईवे पर जाम लगा दिया था। सभासद अमित सती का कहना है कि पहाड़ की बेटी के साथ जो जघन्य अपराध हुआ है उसके लिए दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए लेकिन जिस तरह जांच के पहले ही साक्ष्य मिटाने की बात सामने आ रही है तथा आरोपियों के सत्ता पक्ष से रसूख बताए जा रहे हैं लोगों को संदेह है कि आरोपी बच कर निकल सकते हैं। लोगों का कहना है कि वह अपनी बेटी के लिए इंसाफ की लंबी लड़ाई लड़ेंगे।

सड़क हादसे में पुलिसकर्मी सहित चार लोगों की मौत, एक घायल

मुजफ्फरनगर (हसं)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर हाइवे पर बीते रोज दिल्ली से हरिद्वार जा रही एक वैगनआर कार रोडवेज से टकराकर पलट गई जिसमें कार सवार यूपी पुलिस के सिपाही सहित चार लोगों की मौत हो गयी जबकि एक गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे में मरने वाले की शिनाख्त पुलिस कांस्टेबल कुलदीप मिश्रा के रूप में हुई है जो गांव थाल जिला उत्तरकाशी उत्तराखंड का रहने वाला है। उनके अलावा मनीष सिंघल निवासी नेहरू कालोनी मोदी नगर गाजियाबाद और दिनेश यादव हैं। जबकि एक घायल अमन गौतम निवासी परीक्षित गढ जिला मेरठ को हायर सेंटर रैफर किया गया है। हादसे में मरने वाले चौथे मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि एनएच-58 पर देवराना रिसोर्ट के समीप एक वैगनआर पलट गई। जिसमें सवार दो घायलों की मौके पर तथा दो की उपचार के दौरान मौत हो गयी। कार दिल्ली से हरिद्वार जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देवराना रिसोर्ट के समीप कार हाईवे पर सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को बचाने के चक्कर में विपरीत दिशा से आ रही रोडवेज बस से टकरा गयी। जिसमें सवार चार लोगों की मौत हो गयी।

दिल्ली-उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में पीएफआई के खिलाफ छापेमारी, 170 से ज्यादा मेंबर्स हिरासत में

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ फिर एक बार आज (मंगलवार को) बड़ा एक्शन लिया गया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और असम सहित कई राज्यों में पीएफआई के ठिकानों छापेमारी जारी है। एक हफ्ते में दूसरी बार पीएफआई के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है। बता दें कि कई राज्यों की पुलिस, पीएफआई के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पीएफआई के कुछ लोकेशंस पर रेड डाली जा रही हैं। जान लें कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया को लेकर एटीएस की पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छापेमारी जारी है। मेरठ-बुलंदशहर से कई लोग कस्टडी में लिए गए हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि 8 राज्यों से पीएफआई के 170 से ज्यादा मेंबर्स को हिरासत में लिया गया है।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत एमपी के 6 से 7 शहरों में एनआईए के पीएफआई के कई ठिकानों पर छापे हो रहे हैं। देश के कई राज्यों में जारी इस कार्रवाई में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, केरल, गुजरात, कर्नाटक, असम और गुजरात शामिल हैं। भोपाल में पीएफआई के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। मध्य प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में रेड हो रही है।महाराष्ट्र के औरंगाबाद और सोलापुर में भी रातभर छापेमारी हुई। एनआईए ने हाल ही में कोलकाता में भी पीएफआई के दफ्तर पर छापेमारी की थी। इस दौरान जांच एजेंसी ने कई डॉक्यूमेंट्स, हैंडरिटिन नोट्स और बुकलेट बरामद किए थे. एक बुकलेट में हाल ही में मुर्शिदाबाद जिले से अलकायदा के आतंकवादियों की गिरफ्तारी की निंदा की गई थी। इन सभी कागजात को जांच एजेंसी ने जब्त कर लिया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

गहलोत की खलनायकी

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो कुछ किया वह यह बताने और समझने के लिए जरूरी है कि गहलोत जैसे नेताओं के कारण ही आज कांग्रेस की यह दुर्दशा हुई है। जयपुर से दिल्ली लौटकर केंद्रीय पर्यवेक्षकों को अजय माकन ने सोनिया गांधी को जो कुछ बताया है उस पर सोनिया गांधी की पहली प्रतिक्रिया जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें अशोक गहलोत से ऐसी उम्मीद नहीं थी, यही बताता है कि अशोक गहलोत ने अपने पूरे जीवन काल में कांग्रेस में रहकर जो भी कमाया था वह सब कुछ गंवा दिया है। गांधी परिवार से इतर काग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के प्रयास में सोनिया व गांधी परिवार ने अशोक गहलोत के नाम स्वीकृति देना एक गलत फैसला था। अशोक गहलोत अगर गलती से भी कांग्रेस अध्यक्ष बन जाते जिसकी अब संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी है तो वह कांग्रेस और गांधी परिवार की क्या दुर्दशा कर सकते थे इसके संकेत उनके द्वारा राजस्थान में कांग्रेस को विभाजन के कागार पर लाकर खड़ा कर दिया है। गहलोत और उनके समर्थकों द्वारा नए कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव से पहले ही बगावत का बिगुल फूंक कर यह साफ कर दिया है कि अगर राजस्थान में वह नहीं रहेंगे तो कांग्रेस भी नहीं रहेगी। भले ही सहमति के बाद भी गहलोत और उनके सहयोगियों द्वारा विधानमंडल दल की बैठक के समानांतर बैठक कर और विधानसभा अध्यक्ष को अपने इस्तीफे सौंप कर कांग्रेस को बड़े संकट में फंसा दिया हो लेकिन कांग्रेस हाई कमान अगर इस मामले में गहलोत व उनके समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की हिम्मत दिखाता हैं तो वह कांग्रेस के लिए अत्यंत हितकर और दूरगामी परिणाम वाले साबित हो सकता हैं। आस्तीन में सांप पालने से ज्यादा हितकर होता है आस्तीन को काट कर फेंक देना। अशोक गहलोत आज से नहीं लंबे समय से पावर गेम की राजनीति कर रहे हैं वह साम, दाम, दंड, भेद से जिस कांग्रेस हाईकमान को अपनी बात मानने पर मजबूर करते आए हैं और कांग्रेस तथा गांधी परिवार के हितेषी होने का दिखावा करते रहे हैं उनकी हकीकत अब सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी के सामने आ चुकी है। गहलोत गुट द्वारा जो तीन शर्तें रखी गई है जिसमें राजस्थान के नए मुख्यमंत्री पर फैसला 19 अक्टूबर के बाद लेने की शर्त भी शामिल है वह उनकी एक बड़ी राजनीतिक धोखाधड़ी और षड्यंत्र का हिस्सा है। गहलोत ने इस पूरे प्रकरण से साफ कर दिया है कि वह राजस्थान में अपनी इच्छा के विरुद्ध किसी को भी सीएम नहीं बनने देंगे और वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के साथ खुद का सीएम बनाए रखने से कम पर राजी नहीं है। सचिन पायलट को वह किसी भी कीमत पर सीएम बनने से रोकने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं चाहे राजस्थान में कांग्रेस की सरकार चली जाए चाहे उनके हाथ से कांग्रेस अध्यक्ष पद खिसक जाए। देखना अब यह है कि जब राजस्थान विधानसभा के चुनाव भी सर पर हैं कांग्रेस हाईकमान का फैसला क्या होता है। मुश्किल बहुत बड़ी है लेकिन समाधान किए बिना भी हालात को संभाल पाना अब संभव नहीं है।

भारत-चीनः संकेत क्या हैं?

पहले जब डिसएंगेजमेंट हुआ था, तब दोनों देशों की तैनात सेनाओं के बीच बफर जोन बनाया गया था। कई रक्षा विशेषज्ञों का आरोप रहा है कि वो बफर जोन उस इलाके में जो बने, जो भारत के माने जाते थे। क्या इस बार फिर ऐसा ही हुआ है?

भारत और चीन के बीच 16वें दौर की वार्ता जुलाई के मध्य में हुई थी। अब बताया गया है कि उस वार्ता में सहमति के आधार पर पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स में पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी)-15 क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच डिसएंगेजमेंट शुरू हो गया है। इसका इस बार क्या अर्थ है, यह नहीं बताया गया है। पहले जब डिसएंगेजमेंट हुआ था, तब दोनों देशों की तैनात सेनाओं के बीच बफर जोन बनाया गया था। कई रक्षा विशेषज्ञों का आरोप रहा है कि वो बफर जोन उस इलाके में जो बने, जो भारत के माने जाते थे। क्या इस बार फिर ऐसा ही हुआ है? दरअसल, अचानक आई डिएंगेजमेंट की खबर कौतुक पैदा करने वाली है। ये खबर आने के ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की तरफ से आयोजित ईस्टर्न इकॉनमिक पार्टनरशिप सम्मेलन को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। इसमें उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की खूब तारीफ की। उधर उसी समय खबर आई कि अमेरिका पाकिस्तान को एफ-16 विमानों के पुर्जे सप्लाई करेगा। अब चर्चा है कि 15-16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अनौपचारिक मुलाकात हो सकती है। तो क्या एशिया के समीकरणों में कोई बदलाव आ रहा है? फिलहाल, संभव है कि ऐसे निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी हो। लेकिन इस बात के संकेत हैं कि रूस के साथ भारत के गहराते रिश्तों से पश्चिमी राजधानियों में व्यग्रता है। जिस समय दुनिया साफ तौर पर दो खेमों में बंट रही है, उस समय भारत के रुख पर दोनों खेमों की नजर है। दोनों अपने साथ भारत को जोड़ने का महत्त्व समझते हैं। ऐसे में असहज रूप में भी अगर भारत चीन-रूस के करीब आता है, तो उसका भारत की विदेश नीति और विश्व के शक्ति समीकरणों के लिए दूरगामी असर होगा। इसीलिए लद्दाख से अचानक आई खबर ने सबका ध्यान खींचा है। जानकारों ने उचित ही कहा है कि चीनी सेना का पीछे हटना मई 2020 से चल रहे गतिरोध को खत्म करने की दिशा में एक खास कदम है। (आरएनएस)

बच्चों के दिमाग़ को खोंखला कर रहा मोबाइल!

आजकल के समय में देखने को मिलता हैं कि बच्चा अपना अधिकतर समय मोबाइल में गुजारता हैं। बड़े भी बच्चों से कुछ समय के लिए छुटकारा पाने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। आजकल स्मार्टफोन तो बच्चों का खिलौना हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों की मोबाइल का ज्यादा उपयोग करने की यह आदत उनके व्यवहार को बहुत नुकसान पहुंचा रही हैं। बच्चे के विकास पर मोबाइल और सोशल मीडिया का बुरा असर पड़ता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहा हैं।

मानसिक बदलाव

आजकल बच्चे घंटों फोन पर आंख लगाए गेम्स खेलते रहते हैं। अगर कुछ समय के लिए उनसे फोन ले लिया जाए तो उनमें गुस्से और चिड़चिड़ापन दिखना आम बात हो गई है। सोशल मीडिया की यह लत उनमें आने वाले मानसिक बदलाव की निशानी मानी जा सकती है। सोशल मीडिया इतना बड़ा है कि बच्चा कहां, कब और कैसे क्या जानकारी ले रहा है, आप उस पर कंट्रोल नहीं रख सकते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को अश्लील, या हानिकारक वेबसाइटों तक पहुंचा सकती हैं, जो उनकी सोचने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।

पल-पल मूड बदलना

आजकल ज़्यादातर बच्चों को मूड स्विंग की समस्या रहती है। ये पल भर में खुश, तो दूसरे ही पल चिड़चिड़े व मायूस हो जाते हैं। दरअसल, मूड स्विंग का एक बहुत बड़ा कारण मोबाइल का अधिक इस्तेमाल है। जो बच्चे स्मार्टफोन पर हमेशा अलग-अलग तरह की एप्लिकेशन ट्राई करने में बिज़ी रहते हैं, उन्हें इस तरह की समस्या ज़्यादा होती है।

डिप्रेशन का मुख्य कारण

इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करने वाले लोगों में डिप्रेशन (अवसाद) की चपेट में आने का खतरा सबसे ज़्यादा होता है। यह समस्या विद्यार्थियों और किशोरों में अधिक पाई जाती है। ऐसे लोगों में बेचैनी की समस्या और अपने दैनिक कार्यों को अच्छे से न निपटने जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। छोटी उम्र में बच्चे अच्छे और बुरे में फर्क नहीं कर पाते हैं और सोशल मीडिया आसानी से उनकी सोच और व्यवहार को बदल सकता है।

लर्निंग डिसैब्लिटी

दिनोंदिन हाईटेक होती टेक्नोलॉजी और उसकी आसान उपलब्धता के कारण बच्चों के पढ़ने का तरीक़ा भी बदल गया है। अब वे हमारी और आपकी तरह पढ़ने के लिए दिमाग़ ज़्यादा ख़र्च नहीं करते, क्योंकि इंटरनेट के कारण एक क्लिक पर ही उन्हें सारी जानकारी मिल जाती है, तो उन्हें कुछ भी याद रखने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मैथ्स के कठिन से कठिन सवाल को मोबाइल, जो अब मिनी कॉम्प्यूटर बन गया है कि मदद से सॉल्व कर देते हैं। अब उन्हें रफ पेपर पर गुणा-भाग करने की ज़रूरत नहीं पड़ती, इसका नतीज़ा ये हो रहा है कि बच्चे नॉर्मल तरीके से पढ़ना भूल गए हैं। साधारण-सी कैलकुलेशन भी वो बिना कैलकुलेटर के नहीं कर पाते।

आक्रामक व्यवहार

बच्चों के हाथ में मोबाइल होने के कारण उनका दिमाग़ 24/7 उसी में लगा रहता है। कभी गेम्स खेलने, कभी सोशल साइट्स, तो कभी कुछ सर्च करने में यानी उनके दिमाग़ को आराम नहीं मिल पाता। दिमाग़ को शांति व सुकून न मिल पाने के कारण उनका व्यवहार आक्रामक हो जाता है। कभी किसी के साथ साधारण बातचीत के दौरान भी वो उग्र व चिड़चिड़े हो जाते हैं। ऐसे बच्चे किसी दूसरे के साथ जल्दी घुलमिल नहीं पाते, दूसरों का साथ उन्हें असहज कर देता है। वो हमेशा अकेले रहना ही पसंद करते हैं।

ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना

लगातार हानिकारक रेडिएशन के संपर्क में रहने के कारण दिमाग़ को कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता है। दिमाग़ के सामान्य काम पर भी इसका असर पड़ता है। बच्चों के दिमाग़ में हमेशा मोबाइल ही घूमता रहता है, जैसे- फलां गेम में नेक्स्ट लेवल तक कैसे पहुंचा जाए? यदि सोशल साइट पर है, तो नया क्या अपडेट है? आदि। इस तरह की बातें दिमाग़ में घूमते रहने के कारण वो अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पातें। ज़ाहिर है ऐसे में उन्हें पैरेंट्स व टीचर से डांट सुननी पड़ती है। बार-बार घर व स्कूल में शर्मिंदा किए जाने के कारण वो धीरे-धीरे फ्रस्ट्रेट भी होने लगते हैं।

नींद में खलल

बच्चे दोस्तों से बात करने, गेम खेलने या सोशल मीडिया के माध्यम से ब्राऊज करने में देर तक जागे रह सकते हैं, जो समय के साथ थकान और बेचैनी का कारण बनता है। नींद पढ़ाई में भी रूकावट डालती है, क्योंकि बच्चों को स्कूल में पढ़ाई जाने वाली चीजों पर ध्यान केंद्रित करते समय बहुत नींद आती है। इसका दूरगामी प्रभाव पड़ता है जो उनके जीवन के आगे के चरणों में फैल जाता है।

काल्पनिक दुनिया में जीते हैं

मोबाइल पर सोशल साइट्स की आसान उपलब्धता के कारण बच्चे आपसे नज़र बचाकर ज़्यादातर समय उसी पर व्यस्त रहते हैं। अपने रियल दोस्तों की बजाय वर्चुअल वर्ल्ड में दोस्त बनाते हैं और उसी आभासी दुनिया में खोए रहते हैं। बार-बार पैरेंट्स द्वारा मना करने के बाद भी उनकी नज़र बचाकर वो सोशल साइट्स पर बिज़ी हो जाते हैं। नतीजतन पढ़ाई और बाकी चीज़ों में वो पिछड़ते चले जाते हैं। आभासी दुनिया में खोए रहने के कारण उनकी सोशल लाइफ बिल्कुल ख़त्म हो जाती है, जो भविष्य में उनके लिए बहुत ख़तरनाक साबित हो सकता है।

चित्रं ह यद्वां भोजनं न्वस्ति न्यत्रये महिष्वन्तं युयोतम्।
यो वामोमानं दधते प्रियः सन्।।
(ऋग्वेद ७-६८-५)

जो भोजन आपका विशेष है या आपकी आवश्यक उपभोग से अधिक है। उस भोजन को उनको देना चाहिए जिनके पास भोजन नहीं है। ऐसा करने से आप उन लोगों के प्रिय हो जाएंगे और समृद्धि को प्राप्त करेंगे।

Food that is special to you or exceeds your required consumption. That food should be given to those who do not have food. By doing this, you will become dear to those people and will attain prosperity. (Rig Veda 7-68-5)

लाखों की धोखाधडी में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी करने के मामले में पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माउण्ट व्यू कालोनी निवासी सागर यादव ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान दिल्ली निवासी नरेश सहगल व उसके पुत्र पुनीत सहगल के साथ हुई। दोनों ने उसकी ढाकपटटी स्थित सम्पत्ति को खरीदने की बात कही। जिसके बाद उसने उनके नाम अनुबन्ध पत्र कर दिया लेकिन उन्होंने उसको तय हुए 21 लाख रूपये अदा नहीं किये जब उसने उनसे अपने रूपये मांगे तो दोनों ने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर छात्रा घायल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर छात्रा घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डाल्फिन कालेज की छात्रा भारती शर्मा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने हास्टल से कालेज की तरफ जा रही थी तभी एक तेज गति से आ रही बुलेट मोटरसाईकिल सवार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी तथा उसका हाथ में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन होमगार्ड निदेशालय के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके थैले से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम भूपेन्द्र सिंह पुत्र राजवीर सिंह निवासी प्रेमनगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने धोरण पुल के पास एक मोटरसाईकिल पर सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल तेजी से भगा कर भाग गये। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक किलो 500 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दानिश पुत्र अब्दुल सैयद व अन्नू पुत्र हरवन सिंह दोनों निवासी तरला आमवाला बताया। पुलिस ने वाहन सीज कर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आयकर कार्यालय से एसी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने आयकर कार्यालय को निशाना बनाते हुए वहां से एसी चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर आयुक्त आयकर विभाग राजेश महरा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आज जब कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कार्यालय में लगा सेमसंग कम्पनी का एसी गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चिकित्सक से मारपीट में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। सरकारी चिकित्सक से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दून चिकित्सालय में तैनात डा. एचएस भाटिया ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी डयूटी पर था तभी गांधी रोड निवासी साकिब पुत्र साजिद वहां पर आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब अस्पताल के गार्ड वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री के समक्ष रखा डब्ल्यूआईटी कार्मिकों की सेवा बहाली मामला

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से डब्ल्यूआईटी कार्मिकों की सेवा बहाली के बारे में बात की जिसपर सीएम ने सकारात्मक जवाब दिया।

जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर महिला प्रौद्योगिकी संस्थान (उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय) में पूर्व में कार्यरत शिक्षकों एवं लैब टेक्नीशियनों की सेवा बहाली को लेकर आग्रह किया। धामी ने सचिव, तकनीकी शिक्षा को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए एवं सेवा बहाली का आश्वासन दिया।

नेगी ने कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा पत्रावली वार्ता हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव, तकनीकी शिक्षा को दिए थे, लेकिन एसीएस द्वारा पत्रावली

प्रतीक्षा में रख ली गई।

नेगी ने कहा कि महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून में वर्ष 2012 से 2016-17 तक शिक्षकों एवं लैब टेक्नीशियनों द्वारा निरंतर अपनी सेवाएं संस्थान को प्रदान की तथा अगले वर्ष हेतु अपनी संविदागत सेवा के नवीनीकरण हेतु संस्थान निदेशक से आग्रह किया, लेकिन निदेशक द्वारा आनाकानी के उपरांत कार्मिकों द्वारा आंदोलन चलाया गया। अपनी सेवा बहाली न होते देख कार्मिकों द्वारा उच्च न्यायालय की शरण ली गई, जिसमें इनको काफी राहत प्रदान की गई, लेकिन संस्थान को यह सब नागवार गुजरा एवं उक्त फैसले के खिलाफ संस्थान ने उच्चतम न्यायालय में एसएलपी योजित की, जिस पर संज्ञान लेते हुए म उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को एक तरह निस्तारित कर दिया। प्रतिनिधिमंडल में विजय राम शर्मा मौजूद थे।

सड़कों पर गड्ढे जनता के लिए बने हुए हैं मुसीबत का सबबः लालचंद

देहरादून (नसं)। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा का कहना है कि देहरादून शहर की जनता सड़कों में हुए गड्ढों से बनी मुसीबत को काफी महीनों से झेल रही है। आये दिन लोग गड्ढों की चपेट में आकर चोटिल हो रहे हैं। सरकारी विभाग गढ्ढों को भरने की बात तो कर रहे हैं लेकिन असल में धरातल में ऐसा दिख नहीं रहा है।

उन्होने कहा कि जब स्मार्ट सिटी के यह हाल है तो राज्य के बाकी शहरों का हाल कैसा होगा? उन्होने कहा कि शहर के तकरीबन सभी मार्गो पर गढ्ढे ही गढ्ढे है। मौजूदा समय में प्रसाशन की ओर से फेसबुक आदि के जरिये गढ्ढों के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। इससे साफ है कि प्रशासन को विभागों के काम पर विश्वास नहीं है। उन्होने सुझाव दिया कि लोनिवि, नगर निगम, एमडीडीए, सिचाई विभाग की संयुक्त टीम बनाकर शहर की सभी सड़कों के गढ्ढों की रिपोर्ट एक हफ्ते में मंगाई जानी चाहिए।

उन्होने सरकार से मांग की है कि दीवाली पर्व से पहले शहर की सभी सड़कों को चकाचक कर दिया जाए ताकि जनता को राहत मिल सके।

बाईक सवार खाई में गिरा, एसडीआरएफ ने उसे बाहर निकाला

संवाददाता

चमोली। बाईक सवार नारायणबगड के पास खाई में जा गिरा। एसडीआरएफ की टीम ने उसको बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात्रि एसडीआरएफ को पुलिस चौकी गोचर द्वारा सूचना मिली कि नारायणबगड़ के पास एक व्यक्ति खाई में गिर गया है, जिसके रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। उक्त सूचना पर एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम बिना समय गँवाये तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। उक्त घटना नारायणबगड़ से 03 किमी पहले की है जहाँ एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर लगभग 100 मीटर गहरी खाई में गिर गया व गंभीर रूप से घायल हो गया। एसडीआरएफ टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए रात्रि के घनघोर अंधेरे व अत्यधिक विषम परिस्थितियों में खाई में गिरे व्यक्ति तक अपनी पहुँच बनाई। तत्पश्चात घायल व्यक्ति को सांत्वना देने के उपरांत स्ट्रैचर के माध्यम से मुख्य मार्ग तक लाया गया। रेस्क्यू टीम द्वारा उक्त घायल व्यक्ति को 108 चिकित्सा सेवा के माध्यम से उपचार हेतु अस्पताल पहुँचाया गया। घायल की पहचान रोहित बिष्ट पुत्र श्री प्रताप बिष्ट निवासी ग्वालदम के रूप में हुई।

लाखों के विदेशी सामान सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चंपावत। लाखों के विदेशी सामान व तस्करी में प्रयुक्त कार सहित पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को बरामद सामान सहित सेल टेक्स व कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

बता दें कि त्योहारी सीजन शुरू होते ही नेपाल से तस्करी के मामलो के बढ़ने की सम्भावनाओ को देखते हुए बनबसा थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान बनबसा के कैनाल गेट के समीप पुलिस को एक काले रंग की होण्डा सिटी कार आती हुई दिखायी दी। शक होने पर जब पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसमे नेपाल निर्मित भारी मात्रा में कॉस्मेटिक सामान बरामद हुआ। बरामद माल की कीमत

लगभग तीन लाख रुपये आंकी गयी है। बरामद सामान, वाहन चालक द्वारा गैर कानूनी तरीके से तस्करी कर बिना आयात-निर्यात से सम्बन्धित बिल / सीमा शुल्क/ आवश्यक कागजात के परिवहन कर लाया जा रहा था। पुलिस ने सभी बरामद सामान सहित वाहन चालक आनन्द बल्लभ पुत्र प्रयाग दत्त निवासी-गढ़ीगोठ भैंसाझाला थाना बनबसा जिला चम्पावत को वैधानिक कार्यवाही करने के उपरांत कस्टम व सैलटैक्स विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

एससी/एसटी एक्ट की धारा 3 सिर्फ सामूहिक आरोपियों पर ही लागू: हाईकोर्ट मद्रास

नई दिल्ली। मद्रास उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 तभी लागू की जा सकती है जब एक आरोपी व्यक्ति ने एक समूह के रूप में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदाय के श्सदस्योंश के खिलाफ भावनाओं को बढ़ावा देने की कोशिश की हो। ऐसा करते हुए, अदालत ने मद्रास विश्वविद्यालय के एक दलित प्रोफेसर द्वारा दायर एक आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक महिला प्रोफेसर, जो विश्वविद्यालय में विभाग की प्रमुख भी थी, जाति के आधार पर उनके साथ भेदभाव कर रही थी। याचिकाकर्ता, डॉ आर राधाकृष्णन ने उच्च न्यायालय से एक विशेष अदालत के आदेश को रद्द करने का आग्रह किया था, जिसने पुलिस को एससी / एसटी अधिनियम की धारा 3 (1) (यू) के तहत महिला प्रोफेसर को बुक करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

हालांकि, न्यायमूर्ति डी भरत चक्रवर्ती ने कहा,अधिनियम के सावधानीपूर्वक पढ़ने से पता चलता है कि विधायिका ने सावधानीपूर्वक शब्दों का प्रयोग किया है कि जब अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के श्सदस्यश को अपमानित किया जाता है तो धारा 3 (1) (आर) और 3 (1) (एस) चलन में आते हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य के इस निवेदन पर भी ध्यान दिया कि याचिकाकर्ता ने आरोपी के खिलाफ एक जवाबी कार्रवाई के रूप में याचिका दायर की थी, केवल इसलिए कि उसने ष्कुछ छात्राओं के साथ दुर्व्यवहारष् के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज की थी। अदालत ने आगे कहा कि महिला ने केवल शिकायत दर्ज की थी, और इसे याचिकाकर्ता के खिलाफ किए गए शारीरिक नुकसान या मानसिक पीड़ा के रूप में नहीं माना जा सकता है। अकेले आरोपी के इस तरह के आचरण पर एससी/एसटी एक्ट के प्रावधान लागू नहीं होंगे।

स्विमिंग करते समय अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से इन तरीकों से बचाएं

स्विमिंग सबसे अच्छी एरोबिक एक्सरसाइज में से एक है, जो न केवल आपके फिटनेस स्तर को बढ़ाती है बल्कि दिमाग और शरीर को भी आराम देती है। लेकिन पूल के पानी में क्लोरीन की मात्रा के कारण बालों को नुकसान हो सकता है। अगर आप रोजाना स्विमिंग करते हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी के नुकसान से बचा सकते हैं। अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से बचाने के लिए तेल लगाना पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। तेल सिर के रोमछिद्रों पर एक सुरक्षित परत बना देता है, जिससे क्लोरीन युक्त पानी स्कैल्प में नहीं घुसता। इसलिए स्विमिंग से पहले अपने सिर पर पर्याप्त मात्रा में तेल लगाकर कुछ मिनट हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए आप नारियल के तेल या फिर जैतून के तेल का इस्तेमाल करें।

अगर आप स्विमिंग से पहले सामान्य पानी से अपने सिर को गीला कर लेते हैं तो इसकी मदद से क्लोरीन युक्त पानी को अपने बालों में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। तेल कोटिंग के साथ गीले बाल पूल के पानी से कम क्लोरीन को अवशोषित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बालों को किसी भी तरह का नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है।

लीव-इन कंडीशनर की मदद से भी आप अपने बालों को क्लोरीन के पानी से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं। यह न केवल आपके बालों को पोषण देता है बल्कि पूल के क्लोरीन और अन्य हानिकारक रसायनों के खिलाफ सिर पर एक सुरक्षात्मक परत भी बनाता है। इसके अतिरिक्त, अगर आप किसी आउटडोर पूल में स्विमिंग करने वाले हैं तो अपने सिर पर सन प्रोटेक्टेंट हेयर स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें।

बालों को क्लोरीन युक्त पानी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्विमिंग कैप पहनना सबसे अच्छा तरीका है। यह पूरे सिर को ढकता है और पानी को बालों के संपर्क में आने से रोकता है। साफ शब्दों में कहें तो इसकी मदद से आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए बस अपने स्विम वियर की मैचिंग कैप पहनकर स्विमिंग करें। इससे आप स्टाइलिश लगेंगे।

जब आप एक बार अपना स्विमिंग सेशन खत्म कर लें तो इसके बाद अपने सिर को सामान्य पानी से गीला कर लें। इसके बाद अपने सिर पर एंटी-क्लोरीन शैंपू का इस्तेमाल करके अच्छे से धो लें। यह न केवल बालों और खोपड़ी से क्लोरीन के जमाव को हटाएगा बल्कि बालों को पोषण भी देता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भारत में पिछले एक दशक में सामान्य प्रजनन दर में 20 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट!

नई दिल्ली। भारत में सामान्य प्रजनन दर को लेकर नमूना पंजीकरण प्रणाली 2020 रिपोर्ट जारी की गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पिछले एक दशक के दौरान में सामान्य प्रजनन दर में 20 फीसदी की गिरावट रिकॉर्ड की गई है। यह गिरावट शहरी एरिया की तुलना में ग्रामीण एरिया में ज्यादा रिकॉर्ड की गई है। शहरी एरघ्या में जहां यह 15.6 फीसदी रिकॉर्ड हुई है तो ग्रामीण क्षेत्रों में यह 20.2 फीसदी रिकॉर्ड की गई है। जीएफआर से मतलब एक साल में प्रति 1,000 महिलाओं पर जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या से है जोकि 15-49 वर्ष की आयु वर्ग की हैं। हाल ही में जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली डेटा 2020 के अनुसार, भारत में औसत जीएफआर 2008 से 2010 (तीन साल की अवधि) तक 86.1 था और 2018-20 (तीन साल का औसत) के दौरान घटकर 68.7 हो गया है। एसआरएस के आंकड़ों से पता चलता है कि गिरावट शहरी क्षेत्रों में 15.6 फीसदी की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में 20.2 फीसदी अधिक रही है।

एम्स में प्रसूति और स्त्री रोग की पूर्व एचओडी डॉ. सुनीता मित्तल ने बताया कि जीएफआर में गिरावट ने जनसंख्या वृद्धि में कमी का संकेत दिया है जो एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के मुख्य कारकों में विवाह की उम्र में वृद्धि, महिलाओं में साक्षरता दर में सुधार और आधुनिक गर्भनिरोधक विधियों की आसान उपलब्धता होना हैं। हाल ही में जारी एसआरएस 2020 रिपोर्ट में जीएफआर कटौती में प्रजनन आयु वर्ग में महिलाओं के बीच साक्षरता की भूमिका को भी उजागर किया गया है। महिलाओं की शिक्षा के स्तर द्वारा जीएफआर डेटा के संदर्भ में रिपोर्ट में कहा गया है, अनपढ़ और साक्षर महिलाओं के जीएफआर के बीच अंतर है, जिसमें बाद में राष्ट्रीय स्तर पर जीएफआर के निचले स्तर को दर्शाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जिन राज्यों में 2008-10 और 2018-20 के बीच एफआर में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की है उनमें राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में, जम्मू और कश्मीर (29.2) है। इसके बाद दूसरे नंबर पर दिल्ली (28.5) है और फिर उत्तर प्रदेश (24), झारखंड (24) और राजस्थान (23.2) है। महाराष्ट्र राज्य में भी पिछले दो दशकों में जीएफआर में 18.6% की गिरावट रिकॉर्ड की गई है। हाल ही एसआरएस आंकड़ों में भारत में कुल प्रजनन दर (प्रजनन आयु में प्रति महिला जन्म) 2 है। बिहार में यह सबसे ज्यादा यानी उच्चतम टीएफआर (3,0) रिकॉर्ड हुआ है जबकि इसकी तुलना में दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में टीएफआर (1.4) दर्ज किया गया है जोकि भारत में सबसे कम है।

वर्तमान में, राष्ट्रीय स्तर पर एक ग्रामीण महिला का टीएफआर शहरी महिला की तुलना में ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है। ग्रामीण महघ्लिा का टीएफआर 2.2 तो शहरी महिला का 1.6 दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली (1.4), तमिलनाडु (1.4), पश्चिम बंगाल (1.4), आंध्र प्रदेश (1.5), हिमाचल प्रदेश (1.5), जम्मू और कश्मीर (1.5), केरल (1.5), महाराष्ट्र (1.5), पंजाब (1.5), तेलंगाना (1.5), कर्नाटक (1.6), ओडिशा (1.8), उत्तराखंड (1.8), गुजरात (2.0), हरियाणा (2.0) और असम में 2.1 टीएफआर रिकॉर्ड किया गया है।

शब्द सामर्थ्य -080

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

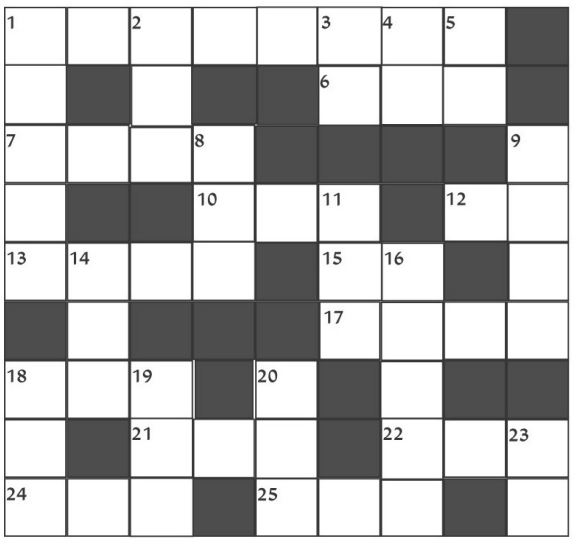

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 79 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

गायत्री ने विक्रम में अपने डेथ सीन पर शेयर की दिलचस्प जानकारी

निर्देशक लोकेश कनकराज की ब्लॉकबस्टर फिल्म विक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री गायत्री ने फिल्म में अपने मरने वाले दृश्य पर एक दिलचस्प जानकारी साझा करके सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे करने का जश्न मनाया।

इंस्टाग्राम पर लेते हुए, अभिनेत्री ने कहा, जब कोई अभिनेता किसी फिल्म में एक मरते हुए दृश्य का प्रदर्शन करता है, तो कैमरे में जागने और मुस्कुराते हुए उनका एक शॉट लेने की प्रथा है। कुछ हद तक ब्रह्मांड को यह बताने जैसा है कि दृश्य सिर्फ अभिनय था और वह अभिनेता जीवित है और ठीक है।

विक्रम में अपने दृश्य की शूटिंग के दौरान हम उस शॉट को लेना भूल गए। समय के लिए दबाए जाने पर, हम लाइटिंग व्यवस्था को भी नहीं हिला सकते थे। इसलिए, हमने कुछ नया किया और इसे लिया। हर कोई पूछ रहा है, उनगा थाला इंगा, इंगा परुंगा दा! अभिनेत्री ने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें से एक में उनका चेहरा ढंका हुआ है और दूसरी जिसमें वह निर्देशक लोकेश कनगराज के बगल में मुस्कुराते हुए खड़ी हैं। फिल्म के सिनेमाघरों में 100 दिन चलने की खबर पर अभिनेता कमल हासन ने भी खुशी के साथ प्रतिक्रिया दी है। शनिवार को उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए एक ऑडियो क्लिप साझा किया।

अपारशक्ति ने धोखा-राउंड डी कॉर्नर में अपनी भूमिका के लिए कश्मीरी लहजे का लिया प्रशिक्षण

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना, जो एक कश्मीरी का किरदार निभा रहे हैं, ने फिल्म धोखा- राउंड डी कॉर्नर के उच्चारण को सही करने के लिए गहन प्रशिक्षण लिया। उन्हें इसके लिए एक कश्मीरी ट्यूटर द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा था। अपारशक्ति कहते हैं, धोखा एक बहुत ही अलग तरह की फिल्म है। मैं इसे उसी तरह नहीं ले सकता था जैसे मैंने अपने अन्य पात्रों से संपर्क किया था।

मैं एक कश्मीरी की भूमिका निभा रहा हूं जो मैंने पहले नहीं किया है और उनका उच्चारण बहुत अलग है, जो उनके लिए बहुत ही अनोखा है। एक चरित्र का सही उच्चारण करना इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मैं एक कश्मीरी ट्यूटर के लिए गया था इसे और अधिक प्रामाणिक रखने के लिए। यह फिल्म कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित एक सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें आर माधवन, खुशाली कुमार और दर्शन कुमार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फैंस के इंतजार को गुरु ने किया खत्म, रिलीज किया अपना नया गाना

भूषण कुमार के सहयोग से गुरु रंधावा ने अपने एल्बम मैन ऑफ द मून का एक और सक्सेसफुल ट्रैक फेक लव के म्यूजिक वीडियो आज रिलीज़ कर दिया गया है। संजॉय द्वारा कंपोज्ड और मिक्स्ड , रॉयल मान और अमर संधू के गीतों के साथ और रयान शनहान द्वारा महारत हासिल, फेक लव की एक बहुत ही अलग साउंड है जो इसके पेसी और थ्रिलिंग संगीत वीडियो में परिलक्षित हो रही है।

रूपन बल द्वारा निर्देशित और अनमोल रैना द्वारा डिजाइन और संकल्पित, गुरु के फेक लव के संगीत वीडियो में गुरु के साथ-साथ संजय और अमर संधू भी दिखाई दे रहा है , जो एक अप्रत्याशित मोड़ ले लेता है। इस गाने को इंटरनेशनल लोकेशन सोफ़िया, बुल्गारिया में शूट किया गया है , इसमें एक नई कहानी के साथ डिफरेंट साइट को एक्सप्लोर कर दिया है। हर बिट को एक इंटरनेशनल संगीत वीडियो की तरह देखते हुए, इस गाने के विसुअल इफेक्ट्स और शार्प एडिटिंग का काम दिलप्रीत ने कर दिया है।

भूषण कुमार का इस बारें में कहना है कि, फेक लव एक प्रोग्रेसिव म्यूजिक ट्रैक है और ये म्यूजिक वीडियो भी उस गति को दर्शा रखा है । इस गाने की स्टोरी लाइन आप को निश्चित रूप से अपनी और आकर्षित करने वाली है।

वेत्री और शिवानी नारायणन स्टारर इरावु की शूटिंग लगभग समाप्त

निर्देशक जगदीसन सुबू की आगामी फिल्म इरावु की शूटिंग, जिसमें अभिनेता वेत्री और शिवानी नारायणन मुख्य भूमिका में हैं, पूरी होने के कगार पर है। फिल्म, जिसे एम.एस. एम10 प्रोडक्शंस की मुरुगराज ने प्रोडय्स किया है, एक हॉरर थ्रिलर है। फिल्म ने उम्मीदें बढ़ा दी हैं क्योंकि इसे जगदीसन सुबू द्वारा निर्देशित किया गया है, जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म बकरीद के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं। सूत्र बताते हैं कि फिल्म की कहानी एक वीडियो गेम डिजाइनर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने नए डिजाइन किए गए वीडियो गेम के पात्रों को इसके लॉन्च के दौरान जीवंत देखना शुरू कर देता है। हालांकि तमिल सिनेमा में कई हॉरर फिल्में हैं, लेकिन सूत्रों का दावा है कि इरावु अलग होगी और यह एक असाधारण थ्रिलर ड्रामा होगी जिसमें मनोरंजक पटकथा पर जोर दिया जाएगा। वेट्री और शिवानी नारायणन के अलावा, जो मुख्य भूमिका निभाते हैं, फिल्म में मंसूर अली खान, संथाना भारती, राजकुमार, जॉर्ज, दीपा, पोन्नम्बलम, सेशु और कल्कि भी होंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड के इलाकों में की गई है।

दुल्हे राजा फिल्म की रीमेक बना सकते हैं शाहरुख खान

1998 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दुल्हे राजा ने दर्शकों को खूब हंसाया था। इस फिल्म में गोविंदा का अंदाज लोगों को पसंद आया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब सुनने में आ रहा है कि दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान दुल्हे राजा की रीमेक बनाएंगे। खबरों की मानें तो शाहरुख अपने प्रोडक्शन बैनर के तले इस फिल्म के निर्माण की योजना बना रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी ने दुल्हे राजा की रीमेक बनाने के लिए राइट्स खरीद लिए हैं। एक सूत्र ने बताया, बहुत कम लोग जानते हैं कि शाहरुख वास्तव में कॉमेडी जॉनर के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। दुल्हे राजा उन एंटरटेनर फिल्मों में से एक है, जो उन्हें पसंद है। जब एक सहयोगी ने दुल्हे राजा के राइट्स हासिल करने का विचार सुझाया, तो शाहरुख इस विचार पर सहमत हुए।

फरहाद सामजी ने रीमेक की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया है। बता दें कि फरहाद ही सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। सूत्र ने कहा, फरहाद जो वर्तमान में किसी का भाई किसी की जान पर सलमान के साथ काम कर रहे हैं, दुल्हे राजा के ड्रॉफ्ट को पूरा करने में लगे हैं। उन्हें ऑरिजनल कॉन्सेप्ट को बनाए रखते हुए फ्रेश स्क्रिप्ट लिखने की सलाह दी गई है।

कहा जा रहा है कि टीम अब निर्णय लेगी कि फिल्म को आधुनिक दर्शकों के लिए कैसे एक्सप्लोर किया जाए। सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी शाहरुख ने प्राप्त कर लिए हैं। सूत्र ने बताया कि अगर फिल्म की स्क्रिप्ट मनमाफिक बनती है, तो शाहरुख की टीम इस प्रोजेक्ट पर आगे काम शुरू करेगी। यदि रीमेक नहीं बनती है, तो फिल्म के टेलीविजन और डिजिटल स्क्रीनिंग से शाहरुख रेवेन्यू अर्जित करेंगे।

दुल्हे राजा में गोविंदा के साथ अभिनेत्री रवीना टंडन नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म में कादर खान, प्रेम चोपड़ा और जॉनी लीवर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हरमेश मल्होत्रा ने इसका निर्देशन किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी ने दुल्हे राजा की रीमेक बनाने के लिए राइट्स खरीद लिए हैं। एक सूत्र ने बताया, बहुत कम लोग जानते हैं कि शाहरुख वास्तव में कॉमेडी जॉनर के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। दुल्हे राजा उन एंटरटेनर फिल्मों में से एक है, जो उन्हें पसंद है। जब एक सहयोगी ने दुल्हे राजा के राइट्स हासिल करने का विचार सुझाया, तो शाहरुख इस विचार पर सहमत हुए।

फरहाद सामजी ने रीमेक की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर दिया है। बता दें कि फरहाद ही सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। सूत्र ने कहा, फरहाद जो वर्तमान में किसी का भाई किसी की जान पर सलमान के साथ काम कर रहे हैं, दुल्हे राजा के ड्रॉफ्ट को पूरा करने में लगे हैं। उन्हें ऑरिजनल कॉन्सेप्ट को बनाए रखते हुए फ्रेश स्क्रिप्ट लिखने की सलाह दी गई है।

कहा जा रहा है कि टीम अब निर्णय लेगी कि फिल्म को आधुनिक दर्शकों के लिए कैसे एक्सप्लोर किया जाए। सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी शाहरुख ने प्राप्त कर लिए हैं। सूत्र ने बताया कि अगर फिल्म की स्क्रिप्ट मनमाफिक बनती है, तो शाहरुख की टीम इस प्रोजेक्ट पर आगे काम शुरू करेगी। यदि रीमेक नहीं बनती है, तो फिल्म के टेलीविजन और डिजिटल स्क्रीनिंग से शाहरुख रेवेन्यू अर्जित करेंगे।

दुल्हे राजा में गोविंदा के साथ अभिनेत्री रवीना टंडन नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म में कादर खान, प्रेम चोपड़ा और जॉनी लीवर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हरमेश मल्होत्रा ने इसका निर्देशन किया था।

शाहरुख की आखिरी फिल्म जीरो थी, जो 2018 में आई थी। फिल्म ने कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ा था। वह पठान से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे, जो अगले साल 25 जनवरी को आएगी। वह एटली की जवान को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं।

अपकमिंग मूवी स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए रणदीप हुड्डा ने बढाया वजन

रणदीप हुड्डा इन दिनों मूवी स्वतंत्र वीर सावरकर की शूटिंग नमे व्यस्त है। यह मूवी वीर सावरकर के जीवन पर आधारित है। मूवी का निर्देशन महेश मांजेकर कर रहे हैं। जिसमे रणदीप, सावरकर के रोल में दिखाई देने वाले है। इस मूवी के लिए एक्टर पूरे जी जान से मेहनत कर रहे हैं और जिसके लिए उन्होंने अपना वजन घटा दिया है। वजन कम करने को लेकर रणदीप हुड्डा ने कहा है, मैं अब तक 18 किलो वजन घटा चुका हूं। यह स्पोर्ट के कारण से हो पाता है, मैं इस तरह के वेट गेन और वेट लॉस इस कारण से कर पाता हूं क्योंकि मैं एक स्पोर्ट्स पर्सन हूं। खबरों का कहना है कि रणदीप इससे पहले भी कई मूवी के लिए वजन घटा और बढ़ा चुके हैं। उन्होंने साल 2016 में मूवी सरबजीत के लिए 28 दिन में 18 किलो तक वजन घटाया था, जिसे लेकर वह उस समय बहुत चर्चाओं में आए थे। सरबजीत रणदीप के करियर की अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस कही जा रही है।

अरोड़ा सिस्टर्स वेब सीरीज में दिखेंगी मलाइका और अमृता

ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता ने फैंस से लेकर सितारों को भी आकर्षित किया है। अब सुनने में आ रहा है कि मलाइका अरोड़ा और उनकी बहन अमृता अरोड़ा पर आधारित वेब सीरीज बनने वाली है। खबरों की मानें तो इसका शीर्षक अरोड़ा सिस्टर्स रखा गया है। इसमें उनकी निजी जिंदगी से लेकर पेशेवर जिंदगी को फिल्माया जाएगा। उम्मीद है कि इस सीरीज के जरिए दोनों बहनों की जिंदगी से जुड़े कई राज खुलेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका और अमृता ने वेब सीरीज अरोड़ा सिस्टर्स के लिए अपनी कमर कस ली है। सूत्र ने कहा, यह शो मलाइका और अमृता के परिवारों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमेगा, जो प्रशंसकों को उनकी जीवनशैली, दैनिक गतिविधियों और उनके पिछले जीवन के अनुभवों की एक झलक देगा। कहा जा रहा है कि शो में दोनों बहनें खुलकर अपने अनुभवों को साझा करेंगी। यह शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा, इसको लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है।

अरोड़ा सिस्टर्स के अलावा इन दोनों बहनों की जोड़ी करीना कपूर के एक नए शो में नजर आएगी। इस शो का नाम गट्स है, जो नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा। इसमें करीना, मलाइका, करिश्मा कपूर और अमृता की जिंदगी से जुड़ी कई बातें सामने आएंगी। इस शो में ये सभी अभिनेत्रियां अपने कामकाज, यात्रा और मस्ती से जुड़े पलों को दर्शकों से शेयर करेंगी। पेरिस, न्यूयॉर्क, लंदन और सिंगापुर में इस शो को शूट किया जाएगा।

ऐसा लगता है कि अरोड़ा सिस्टर्स को नेटफ्लिक्स के शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की तर्ज पर बनाया गया है। इसमें बॉलीवुड की कई दिग्गज अभिनेत्रियां नजर आ चुकी हैं। इसका दूसरा सीरजन भी काफी हिट रहा। अरोड़ा सिस्टर्स से मिलता-जुलता ही एक शो द खान सिस्टर्स 2012-2013 में आया था। यह शो अभिनेत्री गौहर खान और उनकी बहनों की जिंदगी को लेकर था। मलाइका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आइटम नंबर से काफी लोकप्रियता मिली। मुन्नी बदनाम हुई और छैय्या छैय्या गाने ने उन्हें काफी शोहरत दिलाई। 2020 से वह सोनी टीवी पर इंडियाज बेस्ट डांसर को जज कर रही हैं। अमृता एक और एक ग्यारह, स्पीड, हैलो और आवारा पागल दीवाना जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने कमबख्त इश्क, गोलमाल, रक्त, रेड और ओम शांति ओम में भी काम किया है।

भारत जोड़ो यात्रा से क्यों चिंतित है भाजपा ?

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस को भी अंदाजा नहीं रहा होगा कि उसकी भारत जोड़ो यात्रा को शुरुआत में ही इतना अच्छा रिस्पांस मिलेगा और यात्रा से भाजपा में चिंता व डर का भाव पैदा होगा। राहुल की कमान में हो रही इस यात्रा से सचमुच भाजपा को चिंता में डाला है। इस चिंता के कई कारण हैं। सबसे पहला कारण तो यह है कि भाजपा को लग रहा है कि इस यात्रा से कांग्रेस को पुनर्जीवन मिल सकता है। कांग्रेस रिवाइव हो सकती है। लगातार दो लोकसभा चुनाव की बड़ी हार और तीन दर्जन से ज्यादा विधानसभा चुनावों में मिली हार के साथ साथ पार्टी में हो रही टूट-फूट से कांग्रेस बिल्कुल पस्त है। भाजपा को लग रहा है कि एक और धक्के में कांग्रेस को ऐसे गहरे गड्ढे में गिराया जा सकता है, जहां से उसकी वापसी संभव नहीं होगी। भारत जोड़ो यात्रा से अगर कांग्रेस रिवाइव हो जाती है तो भाजपा का मकसद पूरा नहीं होगा।

भाजपा को कांग्रेस का रिवाइवल क्यों संभव लग रहा है, इसे समझना भी मुश्किल नहीं है। राजनीतिक इतिहास का ज्ञान रखने वाले हर व्यक्ति को इसके बारे में पता है। इसमें दो बातें ध्यान रखने की हैं। पहली यह कि कांग्रेस पार्टी हमेशा दक्षिण भारत से रिवाइव हुई है और दूसरी यह कि उत्तर भारत का कोई भी राजनीतिक नैरेटिव या लोकप्रिय राजनीतिक विमर्श दक्षिण भारत की राजनीति को ज्यादा प्रभावित नहीं करता है। नरेंद्र मोदी की परिघटना भी पिछले दो चुनावों में दक्षिण भारत में कोई असर नहीं डाल पाई। न उनका विकास का मॉडल चला और न गुजरात की प्रयोगशाला का मॉडल चला। कर्नाटक में भाजपा जरूर जीती लेकिन वह बीएस येदियुरप्पा के मॉडल के कारण जीती। तभी अगले साल होने वाले चुनाव से पहले येदियुरप्पा को भाजपा संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया गया है और पार्टी ने एक तरह से चुनाव उनके हवाले कर दिया है। सिर्फ मोदी ही नहीं जेपी और वीपी सिंह की परिघटना का भी दक्षिण भारत में कोई असर नहीं हुआ था।

जहां तक दक्षिण भारत से कांग्रेस को पुनर्जीवन मिलने की बात है तो वह कई चुनावों में प्रमाणित हुआ है। जयप्रकाश नारायण यानी जेपी के आंदोलन और इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में कांग्रेस पूरे देश में हारी थी लेकिन दक्षिण भारत में उसने शानदार जीत दर्ज की थी। उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश समूचे हिंदी पट्टी में कांग्रेस साफ हो गई थी। उसे 198 सीटों का नुकसान हुआ था। इसके बावजूद उसे 154 सीटें मिली थीं। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की लगभग सभी सीटें कांग्रेस ने जीती थीं। केरल और तमिलनाडु में भी उसका प्रदर्शन अच्छा रहा था। पश्चिमी राज्यों महाराष्ट्र और गुजरात में भी कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इसी तरह 1989 के चुनाव में बोफोर्स कांड और वीपी सिंह की लहर में कांग्रेस पूरे उत्तर भारत से साफ हो गई थी लेकिन दक्षिण के चार राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में उसने शानदार जीत दर्ज की थी। 1991 में जिस साल राजीव गांधी की हत्या हुई थी उस चुनाव में भी उत्तर भारत में कांग्रेस का सफाया हो गया था पर दक्षिण भारत ने इतनी सीटें दीं कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी। फिर 2००4 और 2००9 के चुनावों में भी दक्षिण भारत के कारण ही केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी। तभी भाजपा को चिंता है कि अगर दक्षिण में कांग्रेस रिवाइव हुई तो अगले चुनाव में उसकी बड़ी चुनौती होगी।

चिंता का दूसरा कारण कर्नाटक है। कर्नाटक में भाजपा की सरकार है और अगले साल मई में चुनाव होने वाले हैं। राज्य में पार्टी की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है तभी बीएस येदियुरप्पा को भ्रष्टाचार के आरोपों और 79 साल की उम्र के बावजूद भाजपा इतनी तरजीह दे रही है। इसके उलट कांग्रेस वहां बेहतर तैयारी कर रही है। राहुल की यात्रा 21 दिन तक कर्नाटक में रहेगी। अगर वे नैरेटिव बदलते हैं, पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हैं और पार्टी को एकजुट होकर लड़ने के लिए तैयार करते हैं तो भाजपा को मुश्किल होगी। उसे अपनी राज्य सरकार बचानी है और उसके बाद लोकसभा की 25 जीती हुई सीटें बचानी हैं। चिंता का तीसरा कारण यह है कि अगर राहुल की भारत जोड़ो यात्रा को अच्छा रिस्पांस मिलता है और कांग्रेस के प्रति दिलचस्पी पैदा होती है तो कांग्रेस को अगले चुनाव से पहले सहयोगी मिलने में आसानी होगी। राजनीति का यह थम्ब रूल है कि अगर कोई पार्टी जमीन पर दिख रही है तो उसे सहयोगी मिलने में दिक्कत नहीं होती है। यात्रा सफल हुई तो कांग्रेस को सहयोगी भी मिलेंगे, कांग्रेस की अनदेखी बंद होगी और कांग्रेस अपनी शर्तों पर तालमेल करने में सक्षम होगी। यह भी भाजपा के लिए अप्रिय स्थिति होगी।

भाजपा की चिंता का चौथा कारण यह है कि इस यात्रा से राहुल गांधी की छवि बदल सकती है। उनके प्रति जो धारणा बनी है वह धारणा टूट सकती है। पिछले आठ-दस साल से निरंतर प्रचार के जरिए राहुल गांधी की 'पप्पू' वाली छवि बनाई गई है। अमित शाह अपने भाषणों में उनको राहुल बाबा कहते हैं। आजादी के बाद देश का कोई नेता नहीं है, जिसका इतना मजाक उड़ाया गया है, जितना राहुल गांधी का उड़ाया गया है। इसके बावजूद अगर राहुल गांधी थक हार कर या अपमानित होकर राजनीति से बाहर होने की बजाय डटे हुए हैं, उनकी स्पिरिट कमजोर नहीं हुई है और वे लगातार राजनीति कर रहे हैं तो तय मानें कि उनको खारिज नहीं किया जा सकेगा। देर-सबेर उनकी राजनीति सफल होगी। यह यात्रा उनकी राजनीति को सफल बनाने का मौका हो सकती है। चिंता का पांचवां कारण यह है कि अभी भले राहुल गांधी की यात्रा दक्षिण भारत में चल रही है और वहां कांग्रेस के रिवाइव होने से भाजपा पर कोई असर नहीं पड़ना है पर सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में दक्षिण का मैसेज उत्तर पहुंचने में समय नहीं लगता है। केरल में चल रही उनकी यात्रा की चर्चा देश के दूसरे हिस्सों में भी हो रही है और इससे राहुल और कांग्रेस का माहौल वहां भी बन सकता है। एक और कारण भी राजनीतिक इतिहास से जुड़ा है और वह ये है कि इस तरह की राजनीतिक यात्राएं हमेशा सफल हुई हैं और जिस मकसद को लेकर यात्राएं हुई हैं वो मकसद पूरा हुआ है।

सो, ये कारण हैं, जिनकी वजह से भाजपा को राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से चिंता हुई है और इस चिंता में भाजपा के नेता लगातार राहुल को निशाना बनाने लगे हैं। भाजपा में इधर उधर से भर्ती किए गए प्रवक्ताओं व टेलीविजन वक्ताओं, प्रतिबद्ध एंकर व पत्रकार, सोशल मीडिया के फ्रीलांस लड़के और भाजपा के दिग्गज नेता सब राहुल पर हमला कर रहे हैं। उनकी टीशर्ट और जूतों का मुद्दा उठाया जा रहा है। इससे लग रहा है कि, जो भाजपा अब तक उनका मजाक उड़ा रही थी वह अब उनसे गंभीरता से लड़ रही है। यह अपने आप में एक बड़ी जीत है।

ससुराल सिमर का 2 अभिनेत्री निशि सिंह ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

ससुराल सिमर का 2 में अपनी भूमिका के लिए पहचानी जाने वाली निशि सिंह वेब सीरीज इश्कियां के साथ हितेन तेजवानी और विजय वर्मा के साथ ओटीटी में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने और अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा की है।

उन्होंने कहा, मैं एक युवा पीढ़ी की लड़की काव्या का किरदार निभा रही हूं, जो एक बहुत अमीर परिवार से है। वह हमेशा सच्चाई और समानता में विश्वास करती है। हितेन के साथ काम करना बहुत अच्छा था, क्योंकि वह बहुत ही पेशेवर और डाउन टू अर्थ है और ये हैं जो गुण मैंने उनसे सीखे है।

इसके अलावा, वह मेरे अभिनय कौशल को बेहतर बनाने में मेरी मदद करते हैं। इसलिए, मैं उनके साथ काम करके बहुत कुछ सीख रही हूं।कई टीवी अभिनेत्रीओं की तरह, जो मानते हैं कि ओटीटी ने उनके लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, जहां वे प्रयोगात्मक प्रोजेक्ट प्राप्त कर सकते हैं, अलग-अलग किरदार निभा सकते हैं और अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं, निशि का भी मानना है कि वेब सीरीज में काम करने से उन्हें कई तरह के अवसरों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ही एकमात्र ऐसी चीज है जिसकी मुझे तलाश है और मैं उम्मीद करती हूं कि जितना हो सके उनका मनोरंजन करूंगी। मैं हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। बाकी सब कुछ भगवान पर मैंने छोड़ दिया है।

सू- दोकू क्र.080

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 79 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

कांग्रेस नहीं बनने देगी विपक्षी एकता!

अभी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दो हफ्ते हुए हैं और यात्रा उन दो राज्यों से गुजरी है, जहां कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है तभी पार्टी के नेता विपक्षी दलों को नसीहत देने लगे और समझाने लगे कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता नहीं बन पाएगी। यह कोई ऐसी बात नहीं है, जो विपक्षी पार्टियां नहीं जानती हैं। सबको पता है कि विपक्षी एकता में कांग्रेस की अहम भूमिका है। लेकिन विपक्ष से लड़ने के अंदाज में यह बात कहने की जरूरत नहीं है। विपक्षी पार्टियों के अनेक नेता अब भी कांग्रेस के प्रति सद्भाव दिखा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं से मिल रहे हैं। उनसे बातचीत करके विपक्षी एकता को एक स्वरूप देने की बजाय कांग्रेस धौंस दिखाने वाले अंदाज में बयान जारी कर रही है।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने विपक्षी नेताओं को निशाना बनाते हुए 'जो समझते हैं कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव है वे मूर्खों के स्वर्ग में रहते हैं'। मूर्खों के स्वर्ग का एक जुमला है, जो आमतौर पर बोला जाता है लेकिन इसका इस्तेमाल अपने लोगों के लिए नहीं किया जाता है। रमेश ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन माना गया कि उन्होंने नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, के चंद्रशेखर राव जैसे ऐसे नेताओं को निशाना बनाया है, जो विपक्षी एकजुटता के लिए प्रयास कर रहे हैं। इन तीन नेताओं के अलावा कई और विपक्षी नेता प्रयास कर रहे हैं। अखिलेश यादव अपना प्रयास कर रहे हैं तो अरविंद केजरीवाल अपना प्रयास कर रहे हैं।

जयराम रमेश के बयान देने से ये नेता कांग्रेस को साथ नहीं ले लेंगे। कांग्रेस को अपनी ताकत बढ़ानी होगी। अफसोस की बात है कि ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस की ताकत ऐसे विपक्षी दल ही हैं, जिनके साथ कांग्रेस ने तालमेल किया है या सरकार बनाई थी या अभी सरकार में शामिल है। पुरानी कहावत है कि एक पैर जमीन पर रखने से पहले दूसरा पैर नहीं उठाना चाहिए। अभी कांग्रेस पार्टी को भाजपा से लड़ना है, जिसने कांग्रेस को समाप्त करने का संकल्प किया। वह हर जगह कांग्रेस को तोड़ रही है। अगर कांग्रेस झारखंड की सत्ता में नहीं होती तो अब तक कब की टूट चुकी होती। इसलिए भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस को खुद भी प्रादेशिक पार्टियों की मदद की जरूरत है।

बड़ी पार्टी के नाते कांग्रेस को पहल करके विपक्षी पार्टियों से संपर्क करना चाहिए और उनसे संवाद बनाना चाहिए। पिछले दिनों तेजस्वी यादव ने दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और नीतीश कुमार भी जल्दी ही सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। उस समय वह बात हो सकती थी, जो रमेश ने भारत जोड़ो यात्रा के बीच कही है। (आरएनएस)

सुपर गुड फिल्म्स की 100वीं फिल्म में काम करेंगे विजय ?

अभिनेता जीवा ने खुलासा किया है कि मशहूर प्रोडक्शन हाउस सुपर गुड फिल्म्स की 1००वीं फिल्म में अभिनेता विजय मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। प्रोडक्शन हाउस, जिसे पूव उन्नाकागा के निर्माण के लिए जाना जाता है, एक ऐसी फिल्म जिसे कई लोग विजय के करियर का टर्निंग पॉइंट मानते हैं, अब अपनी 96वीं फिल्म बनाने की प्रक्रिया में है।

हाल ही में मीडिया से बातचीत में, निर्माता आरबी चौधरी के बेटे अभिनेता जीवा, जो सुपर गुड फिल्म्स के मालिक हैं, जिन्हें तमिल सिनेमा में कई शीर्ष निर्देशकों और अभिनेताओं को पेश करने के लिए जाना जाता है, जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रोडक्शन हाउस की वजह से करियर में बड़ा ब्रेक पाने वाले विजय इसकी 1००वीं फिल्म में काम करने के लिए राजी होंगे।

जीवा ने कहा, निश्चित रूप से। मैं मंच पर इसकी घोषणा कर रहा हूं। मेरा मानना है कि इस संबंध में एक सप्ताह पहले ही एक बैठक हुई थी और विजय सर ने कहा है कि वह सुपर गुड फिल्म्स की 1००वीं फिल्म करेंगे।

उन्होंने हंसते हुए कहा, मैंने भी अपने पिता से उस फिल्म में अभिनय करने का अवसर देने का अनुरोध किया है, भले ही इसका मतलब बिना वेतन के अभिनय करना हो।

डांडिया नईट एक अक्टूबर को

संवाददाता

देहरादून। द क्रिएटिव हब की डायरेक्टर मीतू बसंल ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर द क्रिएटिव हब की और से एक अक्टूबर को कैनाल रोड स्थित लकसूरिया फार्म बाई सॉलिटियर में बारहवी डांडिया नाईट विद गरबा रास का आयोजन मेफेयर हाइलैंड के सहयोग से किया जा रहा हैं। आज यहां हरिद्वार रोड स्थित होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में क्रिएटिव हब की डायरेक्टर मीतू बंसल ने बताया कि महिलाए अक्सर अपने स्वस्थ्य का ध्यान नहीं रख पाती हैं, ऐसे में इस बार गरबा के साथ फिटनेस को जोड़ा गया हैं। इस आयोजन में इंस्ट्रक्टर वैशाली चौहान महिलाओं को पावर गरबा फिटनेस के माध्यम से स्वस्थ रहने के टिप्स देंगी। कार्यक्रम की शुरुआत माता की आरती से होगी। इसके बाद डांडिया और गरबा का ट्रेडिशनल राउंड होगा। बंसल ने बताया कि हिमालयन ट्री और मेटल आर्ट इस आयोजन के विशेष सहयोगी रहेंगे। राजस्थानी और गुजराती फूड स्टॉल भी डांडिया नाईट में विशेष रहेंगे। पत्रकार वार्ता में ऋषि बंसल, लीड कोरियोग्राफर मीनाक्षी, कॉर्डिनेटर योगेंद्र कुमार और मेफेयर हाइलैंड से भानु प्रिया आदि उपस्थित थे।

घर के बाहर से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषि विहार निवासी सावित्री शर्मा ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

पार्षदों ने किया अधिशासी अभियंता का घेराव, तालाबंदी की चेतावनी

संवाददाता

देहरादून। पार्षदों ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग का घेराव कर समस्याओं से अवगत कराया। समस्याओं का समाधान ना हुआ तो कार्यालय में तालाबंदी करने की चेतावनी दी। आज यहां पार्षद योगेश के नेतृत्व में मसूरी विधानसभा पार्षदों ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड देहरादून से मुलाकात की एवं सभी ने अपने अपने वार्ड में टूटी सड़कों से हो रही जनता को समस्याओं से अधिशासी अभियंता को अवगत कराया और उनको बताया गया कि यदि 15 दिनों के अंदर सभी कार्य पूर्ण नहीं किए गए तो आपके विभाग में तालाबंदी कर धरना दिया जाएगा। जिसमें पार्षद संजय नौटियाल,कमल थापा,चुन्नीलाल, भूपेंद्र कठैत, सत्येंद्र नाथ, नंदिनी शर्मा सभी मौजूद रहे।

ओवर लोडिंग में 12 डंपरो के चालान, एक सीज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने ओवर लोडिंग में 12 डम्परों के चालान करने के साथ ही एक डम्पर को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने ओवर लोडिंग करने वाले वाहन एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन एवं व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु टीम गठित कर क्षेत्र में रवाना किया गया गठित पुलिस टीम द्वारा कुल्हाल बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान ओवरलोड नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन, व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 12 डंपर के चालान किए गए एवं 01 वाहन को अवैध खनन में सीज की कार्यवाही की गई।

स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने छबरा तिहारे के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 17 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश पुत्र उमरदीन निवासी लांघा रोड बताया।

सीएम धामी ने स्वच्छता दूतों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित, मुख्य सेवक सदन में सेवा पखवाड़ा 2022 के तहत 'स्वच्छता गौरव सम्मान' कार्यक्रम में स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पी.एम स्वनिधि के लाभार्थियों एवं स्वच्छता पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश के 'स्वच्छता दूतों' का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी संकल्पशक्ति और प्रयासों ने राज्य में स्वच्छता का एक नया अध्याय लिखा है। यह प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए गर्व का विषय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हमारे शहरी क्षेत्र के चार निकायों को महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा 1 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत भी उत्तराखंड राज्य ने छह विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने इसके लिए सभी स्वच्छता दूतों, शहरी विकास विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे स्वच्छता दूत ही स्वच्छता अभियान की धुरी हैं। भारतीय संस्कृति और दर्शन में स्वच्छता हमेशा से सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ये हमारे मूल्यों और संस्कारों का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि अपनी गौरवशाली परंपराओं का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता का एक ऐसा महा-अभियान चलाया जा रहा है जिसकी सफलता की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। जब सरकार के प्रयासों में जन-भागीदारी जुड़ती है, तो उन प्रयासों की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। स्वच्छता को लेकर समाज में बड़ी जागरूकता ही वो मूलमंत्र है जिसने स्वच्छता अभियान की सफलता सुनिश्चित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड आस्था का प्रमुख केन्द्र होने के साथ ही पर्यटन प्रदेश भी है। ऊर्जा एवं पर्यटन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक पर्यटन के नक्ष्शे पर आज उत्तराखंड ने एक नया स्थान अर्जित किया है। स्वच्छता और पर्यटन का आपस में गहरा रिश्ता है और जहां स्वच्छता होती है वहां पर्यटन में भी वृद्धि निश्चित होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत एक ऐसे वर्ग के उत्थान का भगीरथ कार्य किया है, जिस पर आजादी के बाद से कभी ध्यान ही नहीं दिया गया। आज हमारे अनेकों रेहड़ी-पटरी वाले, ठेला चलाने वाले, स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना का लाभ उठा कर न केवल अपनी जीवन को सबल बना रहे हैं बल्कि अपनी बच्चों के भविष्य को भी उज्ज्वल कर रहे हैं। राज्य में पीएम स्वनिधि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्रों तक पहुंचा कर उनका सशक्तिकरण करने की दिशा में राज्य सरकार प्रयासरत है।

शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सभी ग्राम प्रधानों ने भी अपने क्षेत्र में स्वच्छता से संबंधित उत्कृष्ट कार्य किए हैं।

कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आज जिस तेजी से शहरों में जनसंख्या बढ़ रही है उसके अनुसार स्वच्छता को बनाये रखना एक अहम चुनौती है, फिर भी हमारे स्वच्छता दूत रात दिन एक कर शहरों को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे रहे है।

इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक दुर्गेश लाल, सचिव शहरी विकास दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव श्रीमती ईवा आशीष श्रीवास्तव, निदेशक पंचायतीराज बंशीधर तिवारी, निदेशक शहरी विकास नवनीत पाण्डेय एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे

चंदन की लकड़ी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चंदन की लकडी के साथ दो चंदन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबोध जयसवाल पुत्र पृथ्वी सिंह निवासी नागा घेर ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके घर की मेड से चंदन के पेड़ चोरों द्वारा काटकर चोरी कर लिये है। पुलिस ने चोरों के विरुद्ध 379 आईपीसी व 4/10 उत्तर प्रदेश वन संरक्षण अधि नियम 1976 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया था। घटना के खुलासे के लिए थानाध्यक्ष रानीपोखरी शिशुपाल राणा द्वारा थाने पर एक टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन फड़ फेरी चेकिंग के दौरान रानीपोखरी ऋषिकेश रोड पर होटल के पास से दो व्यक्ति जिसमें से एक व्यक्ति के हाथ में एक काले रंग के लेदर के बैग को पकड़े हुए आते हुए दिखाई दिए जिन्हें रोककर पूछताछ की गई तो इनके द्वारा बताया गया कि वह लोग इत्र बेचने का काम करते हैं प्रथम दृष्टा उपरोक्त व्यक्ति बाहर से इत्र बेचने वाले प्रतीत हो रहे थे परंतु जब उपरोक्त व्यक्तियों से गहनता से पूछताछ व सघन चेकिंग की गई तो इनके बैग में थाना क्षेत्र से चोरी हुई 7 किलो 560 ग्राम चंदन की लकड़ी बरामद हुई। जिस पर उक्त दोनों व्यक्तियों को उनके जुर्म से अवगत कराते हुए गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि पूर्व में इत्र एवं सेंट बेचने का कार्य करते थे तथा जगह-जगह गांव में जाकर चंदन के पेड़ को देख लेते थे फिर मौका पाकर उनको रात्रि में काट देते थे और फिर उनके छोटे-छोटे टुकड़े बनाकर बैग एवं सूटकेस में भरकर वापस कन्नौज ले जाते हैं और पुन: कुछ समय पश्चात जहां जहां हमने पेड़ काटे होते हैं उन्हीं के मालिकों से मिलकर पेड़ों की जड़ों को मालिकों से मिलकर खोदकर ले जाते हैं क्योंकि इन पेड़ो की जडें भी कीमती होती हैं। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम प्रेमचंद पुत्र राधेश्याम निवासी भैया पुरवा पोस्ट पेंदा बाद कन्नौज थाना कन्नौज उत्तर प्रदेश, दिलीप पुत्र रामभरोसे निवासी कन्नौज बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

आशा पारेख को 2020 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दिग्गज अभिनेत्री आशा पारेख को 2020 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जो इंडियन सिनेमा की फील्ड में सर्वोच्च सम्मान है। पिछले ही साल 2019 का दादा साहेब फाल्के अवार्ड रजनीकांत को प्रदान किया गया था। 79 वर्षीय अभिनेत्री आशा पारेख, जिन्हें

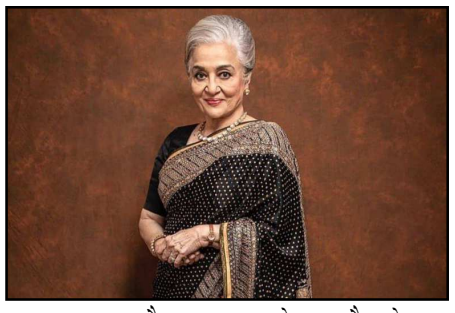

फिल्म दिल दे के देखो, कटी पतंग, तीसरी मंजिल और कारवां जैसी फिल्मों में अपनी आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। उन्हें हिंदी सिनेमा में अब तक की सबसे इंफल्यूएंशल एक्ट्रेसेज में से एक माना जाता है। आशा, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर भी हैं, जिसके चलते उन्होंने 1990 के दशक के अंत में कोरा कागज नाम के टीवी शो को डायरेक्ट किया था। दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड सबसे पहले बार 1969 में फर्स्ट लेडी ऑफ इंडियन सिनेमा कही जाने वाली देविका रानी को दिया गया था। इसके बाद से हर साल किसी ऐसे शख्स को ये अवॉर्ड दिया जाता है जिन्होंने सिनेजगत में खास योगदान दिया है। इसके बाद सिने जगत में साल 1971 में पृथ्वी राज कपूर को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

एयर होस्टेस के साथ परिचित ने किया दुराचार

नयी दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक विमान परिचारिका से उसके घर में किसी परिचित ने कथित रूप से बलात्कार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने कहा कि आरोपी हरजीत यादव खानपुर का निवासी है तथा इलाके में किसी राजनीतिक दल का प्रखंड अध्यक्ष है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने कहा कि रविवार को बलात्कार के बारे में महरौली थाने में पीसीआर कॉल आई और जब पुलिस मौके पर पहुंची तब पीड़िता ने बताया कि हरजीत नशे की हालत में उसके घर पर आया और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने किसी तरह आरोपी को कमरे में बंद कर दिया और फिर उसने हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल किया। विमान परिचारिका के अनुसार वह हरजीत को करीब डेढ़ महीने से जानती थी। चौधरी ने कहा कि उसकी शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत, गुस्साएं लोगों ने पुलिस के वाहन में लगाई आग

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक शिक्षक की पिटाई से एक दलित छात्र की उपचार के दौरान मौत हो गयी। मामला अछल्दा थाना क्षेत्र का है। मृतक छात्र 10वीं का विद्यार्थी था। घटना के विरोध में मौके पर भीम आर्मी के पहुंचने के बाद भड़के लोगों ने प्रदर्शन करते हुए पुलिसकर्मियों पर पथराव किया और एक पुलिस वाहन में आग लगा दी। साथ ही जिलाधिकारी की गाड़ी पर भी

पथराव किया। आरोपी शिक्षक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और अनुसूचित जाति-जनजाति निवारण अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। निखिल के पिता राजू दोहरे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि सात सितंबर को सामाजिक विज्ञान के शिक्षक अश्विनी सिंह ने टेस्ट में दो गलतियां करने पर उनके बेटे को लात-घूसों और डंडों से पिटाई की, जिससे वह बेहोश हो गया। उपचार के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर निखिल को सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को उसकी मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी के लिए कई टीम का गठन किया गया है।

अंकिता मर्डर केस में ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी

एसआईटी ने मांगी पुलिस रिमांड

विशेष संवाददाता

देहरादून। अंकिता मर्डर केस को लेकर शासन-प्रशासन सख्त एक्शन के मोड में है। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने आरोपियों की पुलिस रिमांड के लिए अदालत में अर्जी डाल दी है तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी व बाइक को भी बरामद कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट से कराने को भी कह दिया है।

एसआईटी की प्रभारी पी रेणुका देवी का कहना है कि उनकी टीम द्वारा घटना के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना से जुड़े सभी स्थलों से उनकी टीम साक्ष्य जुटा चुकी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी एसआईटी को मिल चुकी है। थाना पुलिस से भी केस से संबंधित सभी जानकारियां हासिल की गई हैं सीसीटीवी फुटेज से भी साक्ष्य जुटाए गए हैं। वही फॉरेंसिक टीम से

●घटना में प्रयुक्त स्कूटी और बाइक बरामद
●अंकिता के मित्र पुष्प को भी बुलाया गया

जांच कराई जा रही है। उनका कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पुलिस रिमांड में लेकर उनसे पूछताछ की जाएगी और रिजार्ट की पूर्व महिला कर्मचारियों से एसआईटी की टीम पूछताछ कर रही है।

जिस स्कूटी और बाइक से आरोपियों के साथ अंकिता रिजार्ट से निकली थी और वापस नहीं आई उस स्कूटी और बाइक को भी बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही एसआईटी की टीम द्वारा उन लोगों के बारे में भी जानकारियां जुटाई जा रही हैं जो उस रात या उससे पहले रिजार्ट में ठहरे थे। आरोपियों के फोन की कॉल डिटेल से लेकर अंकिता के दोस्त पुष्प जिसके द्वारा पहली बार घटना के दिन पुलिस को कुछ गड़बड़ होने की आशंका जताई गई तथा आरोपियों से भी फोन पर वार्ता कर अंकिता के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की गई थी उसे भी पूछताछ की जाएगी। एसआईटी ने उसे भी बुलाया है। उधर इस मामले में घटना के दिन से ही फरार चल रहे राजस्व पटवारी वैभव को भी जिलाधिकारी पौड़ी द्वारा निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वैभव द्वारा ही अंकिता के पिता की रिपोर्ट न लिखने और मामले को लटकाए रखने का आरोप है। जो घटना के खुलासे के बाद से ही फरार है।

लाखों की धोखाधडी में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी करने के मामले में पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माउण्ट व्यू कालोनी निवासी सागर यादव ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान दिल्ली निवासी नरेश सहगल व उसके पुत्र पुनीत सहगल के साथ हुई। दोनों ने उसकी ढाकपटटी स्थित सम्पत्ति को खरीदने की बात कही। जिसके बाद उसने उनके नाम अनुबन्ध पत्र कर दिया लेकिन उन्होंने उसको तय हुए 21 लाख रूपये अदा नहीं किये जब उसने उनसे अपने रूपये मांगे तो दोनों ने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी।

राजस्व पुलिस का पूर्व पटवारी भी निलम्बित!

हमारे संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में प्रशासन द्वारा राजस्व पुलिस के उपनिरीक्षक वैभव प्रताप को निलंबित करने के आदेश जारी किये गये है।

विदित हो कि वनन्त्रा रिजॉर्ट से अंकिता भंडारी 18 सितंबर को लापता हुई थी। जिसके बाद रिजॉर्ट मालिक आरोपी पुलकित आर्य ने 19 सितंबर को कांडाखाल चौकी पर तैनात राजस्व पुलिस के उपनिरीक्षक वैभव प्रताप को इसकी सूचना दी। राजस्व उपनिरीक्षक वैभव प्रताप ने अंकिता के पहचान संबंधी दस्तावेजों के आधार पर उसके परिजनों से भी संपर्क किया। लेकिन गुमशुदगी दर्ज करने से पहले ही वह चार दिन की

छुट्टी पर चला गया। जिसके बाद कांडाखाल चौकी का चार्ज 20 सितंबर को चौकी पटवारी विवेक कुमार को दिया गया। जिसके बाद पूरे मामले की गाज नए राजस्व पुलिस उप निरीक्षक विवेक कुमार पर गिरी और पुलकित आर्य से मिलीभगत में संदिग्ध पटवारी बच निकला, लेकिन सूत्रों के अनुसार कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पटवारी वैभव प्रताप को भी निलंबित करने के आदेश प्रशासन को दे दिये है।

अवैध खनन सामग्री परिवहन करते 6 डम्पर सीज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने अवैध खनन सामग्री के साथ छह डम्पर सीज कर उनके खिलाफ कार्यवाही की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संपूर्ण जनपद में अवैध खनन के विरुद्ध अभियान चलाया हुआ है, जिसके अनुपालन में थानाध्यक्ष कालसी द्वारा समस्त पुलिस बल को ब्रीफ कर निर्देशों का कड़ाई से पालन करने हेतु आदेशित किया गया था, जिसके परिप्रेक्ष में लगातार रोज रात्रि को सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था, जिसमे गत रात्रि को अलग अलग स्थानों से 6 डंम्पर अवैध रूप से खनन सामग्री परिवहन करते हुए पाए गए, जिनको सीज किया गया है। खनन की रिपोर्ट अलग से सर्बंधित को प्रेषित की जाएगी। अवैध खनन तथा ओवर लोडिंग पर लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

यौन शोषण का आरोप लगने पर जसपुर कोतवाल निलम्बित

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने ऊधमसिंहनगर के जसपुर कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है जसपुर कोतवाली प्रभारी पर यौन शोषण के आरोप लगने के बाद इस मामले की जांच के आदेश भी दे दिये गये है।

बता दें कि एक युवती ने डीजीपी अशोक कुमार से मुलाकात कर जसपुर के प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पर खुद के यौन शोषण करने का आरोप लगाया। जिसके बाद इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डीजीपी ने तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक को निलंबित कर दिया है।

वहीं सूत्रों की माने तो इस मामले में लगभग 1:30 मिनट का एक वीडियो भी जांच के दायरे में है,जिसमें प्रभारी निरीक्षक जसपुर अशोक कुमार और महिला साफ-साफ दिखाई दे रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।